Newspaper : Denik Jagran
Edition: Hisar (Haryana) | Date: 27th November, 2018 | Pg. 16

बच्चों को रोचक ढंग से शिक्षा देने के लिए प्राइमरी टीचरों की ट्रेनिंग शुरू

संवाद सहयोगी, हांसी : प्राइमरी स्कूलों में छोटे बच्चों को पढ़ाने वाले टीचरों के स्वभाव में परिवर्तन लाने और बच्चों को रोचक ढंग से शिक्षा देने के लिए शिक्षा विभाग ने सोमवार से टीचर ट्रेनिंग कार्यक्रम की शुरुआत कर दी है।

उपमंडल के सभी प्राइमरी स्कूलों के टीचरों को तीन दिवसीय ट्रेनिंग से गुजरना होगा। इस दौरान सभी टीचरों को शिक्षण के आधुनिक तौर तरीकों से वाकिफ करवाया जाएगा और छोटे बच्चों के साथ रोचकता कायम करके पढ़ाने के तरीके बताए जाएंगे। इस कार्यक्रम में बच्चों को उनकी गतिविधियों से ही पढ़ाई करने की टीचरों को ट्रेनिंग दी जा रही है। ये ट्रेनिंग बच्चों को पढ़ाए जाने वाली किताबों के साथ ही दी जा रही है। टीचर खंड के 80 प्राइमरी स्कूलों के अध्यापकों को तीन ग्रुप में बांटा गया है। पहले ग्रुप की

बीईओ कार्यालय में प्राइमरी शिक्षकों को ट्रेनिंग देते ट्रेनर। ● जागरण

ट्रेनिंग कक्षाएं सोमवार से शुरू हो गई हैं। बता दें कि टीचरों को ट्रेनिंग देने के लिए स्पेशल एनसीआरटी की तरफ से विशेषज्ञों को भेजा गया है। तीन सदस्यों की यह टीम हांसी के खंड शिक्षा अधिकारी के कार्यालय में ट्रेनिंग दे रहे हैं। बीईओ सुभाष वर्मा ने बताया कि सरकार के आदेशों पर प्राइमरी टीचरों को ट्रेनिंग दी जा रही है। प्रत्येक ग्रुप को तीन दिनों तक ट्रेनिंग दी जाएगी। शिक्षा के आधुनिक तरीकों में इस प्रकार की गतिविधियां शामिल की गयी है जिससे बच्चों में पढ़ाई के साथ-साथ सामाजिक मुद्दों के प्रति जागरूकता बढ़े। इसके अलावा बच्चों में अच्छी आदतों के लिये भी ट्रेनिंग में अहम जानकारी टीचरों को दी जा रही है। टीचर ट्रेनरों का कहना है कि बच्चे ही देश का भविष्य होते हैं और इस ट्रेनिंग में मुख्य फोकस बच्चों में पढ़ाई के साथ अच्छी आदतों को उनके जीवन में शामिल करना है।